nwda.gov.in

'नमामि गंगे' के लंबित कार्यों को पूरा करेंगे आधा दर्जन मंत्रालय

- आजादी के अमृत महोत्सव में गंगा किनारे के 75 शहरों में लगेगी प्रदर्शनी और मेला
- छह केंद्रीय मंत्रालयों संग राज्य सरकारें करेंगी सहयोग, प्रोजेक्ट डाल्फिन पर भी जोर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : नमामि गंगे मिशन के दूसरे चरण में गंगा की सहायक नदियों पर बसे शहरों व कस्बों में लंबित परियोजनाओं को समय से पूरा किया जाएगा। इसमें छह केंद्रीय मंत्रालयों के साथ राज्य सरकारें सहयोग करेंगी। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत गंगा किनारे बसे 75 शहरों में प्रदर्शनी और मेला लगेंगे। प्रोजेक्ट गंगा डाल्फिन का दायरा बढ़ाया जाएगा।

इसी चरण में प्राकृतिक खेती के लिए किसानों को जागरूक बनाने की दिशा में गंगा किनारे वाले 75 सहकार ग्राम विकसित किए जाएंगे। गंगा से जुड़ी 139 जिला कमेटियों में से 52 गंगा किनारे वाले जिले हैं, जबकि 87 सहायक नदियों वाले जिले हैं। इन जिला कमेटियों में नमामि गंगे मिशन वाली परियोजनाओं की नियमित समीक्षा की जाएगी। यह निर्णय जल शक्ति मंत्रालय की अध्यक्षता में आधा दर्जन केंद्रीय मंत्रालय और संबंधित राज्यों के साझा टास्क फोर्स की बैठक में लिया गया।

बैठक में नमामि गंगे कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ बाकी कार्यों को पूरा करने के लिए प्रस्तावित प्रारूप पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इसी दौरान नमामि गंगे मिशन के पहले चरण के बाकी बचे कार्यों को मिशन के दूसरे चरण में पूरा करने का निश्चय भी किया गया। इसके तहत गंगा के साथ उसकी सहायक नदियों के किनारे के शहरों व कस्बों में लंबित पड़े कार्यों पर जोर दिया जाएगा।

बैठक में पर्यटन मंत्रालय अर्थ गंगा के तहत पर्यटन सर्किट की व्यापक योजना तैयार की गई। ऊर्जा मंत्रालय अपने ताप विद्युत संयंत्रों में उपयोग होने वाले पानी को साफ कर दोबारा उपयोग करने की योजना बनाई है। इस दिशा में केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने गंगा किनारे एक चौड़ा गलियारा चिह्नित किया है, जिसमें जैविक और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे जहां गंगा किनारे बड़ी आबादी को शुद्ध पीने का पानी मिलेगा, वहीं पर्यावरण में सुधार होगा।

गंगा की स्वच्छता को बनाए रखने के लिए केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने एक दीर्घकालिक योजना तैयार की है। इसके तहत स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) और अमृत के दूसरे चरण में शहरी नालों के मानचित्र और कचरा प्रबंधन पर जोर दे रहा है। पर्यावरण व वन मंत्रालय ने गंगा बेसिन में पेड़ लगाकर हरियाली को प्रोत्साहित करने के साथ प्रोजेक्ट डाल्फिन को विस्तार देने की योजना तैयार की है। इस काम में राज्यों का सहयोग लिया जाएगा।

बैठक में नमामि गंगे के तहत शुरू हो चुके कार्यों का ब्योरा भी दिया गया। गंगा के आसपास के क्षेत्रों में अर्थ गंगा परियोजना के तहत जो कार्य चल रहे हैं, उनमें जीरो बजट खेती, प्रति बूंद पानी से अधिक आमदनी और गोबर धन जैसे प्रमुख हैं। शहरी निकायों से निकलने वाले प्रदूषित जल को साफ कर सिंचाई में सप्लाई करने की योजना पर काम जारी है। इसी तरह रोजगार सृजन पर भी बल दिया जा रहा है। इसके तहत घाट में हाट, उसमें लोकल उत्पादों को प्रोत्साहित करने, आयुर्वेद, जड़ी-बूटी, गंगा प्रहरी और गंगा दूत जैसे स्वयंसेवी तैयार करने की योजना तैयार है।

गंगा को स्वच्छ व निर्मल बनाए रखने के लिए जन सहभागिता सबसे जरूरी माना गया, जिसमें गंगा उत्सव जैसे आयोजनों पर जोर होगा। गंगा किनारे की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन, नौका पर्यटन व योग को प्रोत्साहित किया जाएगा।